

## राजस्व विभाग

## युद्ध जागीर

दिनांक 2 अगस्त, 1985

क्रमांक 903-ज-(2)-85/23321.—श्री भरत सिंह, पुत्र श्री चूनी लाल, गांव समसपुरमाजरा, तहसील झज्जर, जिला रोहतक, की दिनांक 28 मई, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री भरत सिंह की मुल्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1088-ज-II-80/30481, दिनांक 28 अगस्त, 1980, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उस की विधवा श्रीमती दाना देवी के नाम खरीफ, 1984 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 905-ज-(2)-85/23325.—श्री सुखलाल, पुत्र हीरा लाल, गांव बहकौरा, तहसील बहादुरगढ़, जिला रोहतक, की दिनांक 29 अक्टूबर, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते करते हुए श्री सुख लाल की मुल्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1459-ज-II-77/22003, दिनांक 2 सितम्बर, 1977 तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती जलकौर के नाम खरीफ, 1985 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

दिनांक 3 अगस्त, 1985

क्रमांक 888-ज(I)-85/23458.—श्री छज्जा सिंह, पुत्र श्री वरयाम सिंह, गांव पंजोखरा, तहसील अम्बाला, जिला अम्बाला, की दिनांक 12 अक्टूबर, 1974 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, श्री छज्जा सिंह की मुल्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक जे-एन-III-26/15097, दिनांक 27 मई, 1966 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती जस कौर के नाम खरीफ, 1975 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा खरी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 910-ज-(I)-85/23463.—श्री राम चन्द्र, पुत्र श्री बीरबल, निवासी 100/एच, गीता नगरी, अम्बाला शहर, की दिनांक 16 नवम्बर, 1984 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राम चन्द्र की मुल्लिग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2808-आर-III-68/2762, दिनांक 17 जुलाई, 1968, 5041-आर-II-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा 1789-जे-I-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती राममूर्ती के नाम खरीफ, 1985 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

श्री पी० सांगड़ा,

प्रवर सचिव, हरियाणा सरकार,

राजस्व विभाग।

श्रम तथा रोजगार विभाग

दिनांक 27 जुलाई, 1985

क्रमांक 10(309)84-5 श्रम.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का केन्द्रीय अधिनियम 34) की धारा-1 के उपधारा (5) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों तथा इस निमित्त उन्हें समर्थ बनाने वाली सभी अन्य शक्तियों



का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, कर्मचारी राज्य बीमा निगम के परामर्श से तथा केन्द्रीय सरकार के अनुमोदन से निम्नलिखित अनुसूची में उल्लेखित स्थापनाओं के वर्गों को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि से छः मास के बाद उक्त अधिनियम के उपबन्ध लागू करने के इरादे का नोटिस इसके द्वारा देते हैं :—

## अनुसूची

क्रमांक	स्थापना का वर्णन	क्षेत्र जहाँ पर स्थापना स्थित है	
1	2	3	4
		राजस्वग्राम	हदबस्त नं०
1. कोई परिसर और उसकी सीमाएं जहाँ पूर्ववर्ती बारह मास में किसी भी दिन दस अथवा दस से अधिक व्यक्ति लेकिन बीस से कम व्यक्ति मजदूरी पर नियोजित हों अथवा नियोजित रहे थे और जिसके किसी भी भाग में उत्पादन (मैन्यूफैक्चरिंग) प्रक्रिया में शक्ति का प्रयोग हो रहा हो अथवा फैक्टरी साधारणतः शक्ति से चलाई जाती हो लेकिन खान अधिनियम, 1952 (1952 का 33) के तहत खानें अथवा रेल रनिंग शैड या कोई ऐसी स्थापना शामिल नहीं है जो पूर्णतः कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 2 के खण्ड 12 में उल्लिखित किसी एक अथवा उत्पादन प्रक्रिया में लगी हो।		आशोदा	28
		सारखोल	39
		जसौदा	41
		कसार	43
		(जिला रोहतक में)	
2. कोई परिसर और उसकी सीमाएं जहाँ पूर्ववर्ती बारह मास में किसी भी दिन बीस अथवा बीस से अधिक व्यक्ति मजदूरी पर नियोजित रहे हों अथवा नियोजित रहे थे और जिसके किसी भी भाग में उत्पादन प्रक्रिया में शक्ति का प्रयोग नहीं होता है अथवा फैक्टरी साधारणतः बिना शक्ति की सहायता से चलाई जाती है लेकिन खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) के तहत खानें अथवा रेलवे रनिंग शैड या कोई ऐसी स्थापना शामिल नहीं है जो पूर्णतः कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 2 के खण्ड में उल्लिखित किसी एक अथवा अधिक उत्पादन प्रक्रिया में लगी हो।		जैसा कि ऊपर कहा गया है।	
3. निम्नलिखित स्थापनाएँ जिसमें पूर्ववर्ती बारह मास में किसी भी दिन बास अथवा बीस से अधिक व्यक्ति मजदूरी पर नियोजित रहे हों अथवा नियोजित रहे थे:—	1. सिनेमा और पूर्वदर्शन थियेटर। 2. होटल और रैस्तरा। 3. दुकानें। 4. तड़क मोटर परिवहन स्थापनाएँ। 5. श्रमजीवी पत्रकार (सेवा की शर्तें और विविध उपबन्ध अधिनियम 1955) (1956 का 45) की धारा 2 (घ) में यथा परिभाषित समाचार-पत्र स्थापनाएँ।	जैसा कि ऊपर कहा गया है।	

कुलवन्त सिंह,

 वित्तायुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,  
 श्रम तथा रोजगार विभाग।